लड़े नैन मोहन दे नाल कमली हो गयी आ

लड़े नैन मोहन दे नाल कमली हो गयी आ
हो गयी आ हो गयी आ

जद दी वेखी सोहनी मूरत दिल रेहा ना काबू
चंचल मतवाली अखिया दिल ते कर गयी काबू
कमली हो गयी आ
लड़े.....

सुन्दर श्याम सलोना मेरा दिल विच वस गया आके
मुड के फिर ना आया मोहन थोडी झलक दिखाके
कमली हो गयी आ
लड़े.....

राता जागा नीन्द ना आवे श्याम ही श्याम पुकारा
उसदे नाम दी कमली होके उसनु वाजा मारा
कमली हो गयी आ
लड़े.....

तेरी इस दासी नु श्यामा चढ़ गयी तेरी मस्ती
तेरे रंग विच रंग के श्यामा भुल गयी अपनी हस्ती
कमली हो गयी आ
लड़े.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11612/title/lge-nain-mohan-de-naal-kamli-ho-gai-aa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |